मूल्य 1 रु.
वर्ष: 15 - अंक : 07, मुंबई, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

मुंबई टू कोलकाता...मानव तस्करी का चला रहा गोरखधंधा

पुलिस ने बंगाल से महिला डेंटिस्ट को किया
गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई से मानव तस्करी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने दो बच्चों की तस्करी के सिलसिले में कोलकाता से एक महिला दंत चिकित्सक को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि वडाला ट्रक टर्मिनस पुलिस थाने की एक टीम ने पिछले सप्ताह आरोपी रेशमा संतोष कुमार बनर्जी को गिरफ्तार किया और इस अभियान में दो साल के एक लड़के और तीन साल की एक लड़की को भी बचाया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी महिला और बच्चों को मुंबई लाया गया और 13 अप्रैल को उसे गिरफ्तार कर लिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर बेचा था बच्चा

5 लाख पेड़ काटेगी महाराष्ट्र सरकार

पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने का लगा आरोप, ठाकरे बोले- ये पैसे का खेल है

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। जलवायु परिवर्तन का एक कारण दुनिया में पेड़ों की कमी भी है। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार के पेड़ काटने के फैसले का आदित्य ठाकरे ने विरोध किया है। शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र की महायुति सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से गंभीरता से नहीं निपट रहे हैं और जंगलों तथा पर्यावरण को और अधिक नष्ट कर रहे हैं, जो मानसून के मौसम के आगमन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वे विकास के नहीं, बल्कि विनाश के खिलाफ हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'कांग्रेस में शामिल हो जाओ वरना'

उद्धव ठाकरे ने किया बड़ा खुलासा, महाराष्ट्र पुलिस पर लगाया गंभीर आरोप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे ने एक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र पुलिस पर ही आरोप लगा दिया है। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को दावा किया कि पुलिस का इस्तेमाल प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों को तोड़ने और उनके खिलाफ पुराने मामलों को खोलने में किया जा रहा है। ठाकरे ने अपराध संवाददाता प्रभाकर पवार की किताब थरार के विमोचन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मांग की कि पुलिस को काम करने की पूरी आजादी दी जानी चाहिए। उद्धव ठाकरे ने कहा, कांग्रेस के समय (शासनकाल में) पुलिस शिव सैनिकों को कांग्रेस में शामिल होने की धमकी देती थी, अन्यथा उन पर टाडा (आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधि अधिनियम) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

भाषा की आड़ में राजनीति कर रहे फडणवीस

भाषा विवाद पर सीएम से भिड़े संजय राउत, बोले- हमें सिखाने की जरूरत नहीं

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बना दिया है। सरकार के इस फैसले ने राज्य में हंगामा मचा गया है। खासकर विपक्ष की ओर से इस फैसले का कड़ा विरोध किया जा रहा है। हाल ही में भाषा को लेकर छिड़े विवाद ने एक बार फिर सियासी माहौल गरमा दिया है। इस मामले में शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने भी अपना पक्ष रखा है। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया है। संजय राउत ने कहा कि सरकार को हमे हिंदी सिखाने की कोई जरूरत नहीं है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में हिंदी बॉलीवुड इंडस्ट्री है : संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री मुंबई में है, हम सभी यहां हिंदी गाने गाते हैं, गुनगुनाते है फिर भी आप हमें हिंदी सिखाने चले हैं? उन्होंने कहा कि हिंदी की जरूरत जहां है- जैसे तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश या नॉर्थ-ईस्ट में, वहां जाकर कीजिए, लेकिन महाराष्ट्र में पहले मराठी की बात की होनी चाहिए। संजय राउत ने बीजेपी नेताओं पर भी मराठी भाषा की अनदेखा करने का आरोप लगाया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

घर संभालना ही रास्ता

डब्लूटीओ का आकलन है कि व्यापार युद्ध लंबा खिंचने की संभावना के कारण दुनिया दो गुटों में बंट रही है। एक समूह उन देशों का है, जो अमेरिका से व्यापार संबंध रखेंगे। दूसरे गुट में वे देश हैं, जो चीन से नाता रखेंगे।

दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं- अमेरिका और चीन का संबंध विच्छेद अब हकीकत है। इससे विश्व व्यापार के दो धुरियों में बंट जाने की स्थिति बन गई है। इसकी मार उन दोनों पर भी पड़ेगी, लेकिन पीड़ा सारी दुनिया को झेलनी होगी। विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) के विश्व व्यापार संबंधी ताजा आकलन का यही निष्कर्ष है। इसमें कहा गया है- व्यापार युद्ध के लंबा खिंचने की संभावना के कारण दुनिया दो व्यापार गुटों में बंट रही है। एक समूह उन देशों का है, जो अमेरिका से व्यापार संबंध रखेंगे और दूसरे गुट में वे देश हैं, जो चीन से नाता रखेंगे। मौजूदा हालात कायम रहे, तो अमेरिका और चीन के बीच व्यापार में 80 प्रतिशत गिरावट आने की आशंका है। अमेरिका ने अभी 90 दिन के लिए स्थगित जैसे को तैसा टैरिफ को बहाल कर दिया, तो यह गिरावट 90 फीसदी तक पहुंच जाएगी। डब्लूटीओ की महानिदेशक ओकोंजो इवीला ने कहा- ये वह परिघटना है, जिसकी चर्चा हम पहले भी कर चुके हैं। मगर अब ये स्थिति हमारे सामने है। मेरी राय में सबसे चिंताजनक सूरत हमारे सामने आ खड़ी हुई है। जाहिर है, यह बिल्कुल नई परिस्थिति है। शीत युद्ध के समय विश्व व्यापार अवश्य सोवियत खेमे और बाकी दुनिया के बीच बंटा हुआ था। लेकिन सोवियत खेमे की कभी वैसी आर्थिक एवं व्यापारिक हैसियत नहीं थी, जैसी आज चीन की है। फिर तब गहरे जुड़ाव के बाद संबंध विच्छेद नहीं हुआ था। इसलिए ताजा घटनाक्रम का झटका अधिक जोरदार है। सबसे ज्यादा यह निर्यात- केंद्रित अर्थव्यवस्था पर निर्भर देशों को महसूस होने वाला है, जबकि जहां घरेलू उपभोग बाजार मजबूत एवं विस्तृत है, वे नए हालात का मुकाबला करने की बेहतर स्थिति में होंगे। भारत के पास अपेक्षाकृत बड़ा बाजार है, लेकिन इसे लगातार विस्तृत और गहरा बनाने पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा, निर्यात में गिरावट को घरेलू उपभोग से संभाल लेने की गुंजाइश फिलहाल कम है। मगर, यहां से नई शुरूआत की जा सकती है। आम आबादी की आय बढ़ाते हुए उपभोग का बाजार फैलाना ही फिलहाल एकमात्र विकल्प बचा है। उस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए।

सपनों से संघर्ष तक-अमरजीत का समरस समाज की ओर सफर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई की झुग्गियों में पले-बढ़े अमरजीत उमेशकुमार सिंह का बचपन चुनौतियों से भरा था। उनके पिता केवल सातवीं तक पढ़ पाए और एक वॉचमैन के रूप में परिवार का पालन-पोषण किया। उनकी माँ कभी स्कूल नहीं जा सकीं, लेकिन दोनों ने अपने बेटो को अच्छी शिक्षा दिलाने का संकल्प लिया।और बिहार से अच्छी शिक्षा की तलास में मुंबई आ गए अमरजीत ने शेठ आनंदीलाल पोदर स्कूल से शिक्षा प्राप्त की, फिर एल.एस.रहजो कॉलेज, मुंबई युनिवर्सिटी से BCom और MCom पूरा किया इसके बाद उन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप से पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन पॉलिटिक्स लीडरशिप एंड गवर्नेंस पूरा किया और अब चाटर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई के अंतिम चरण में है। शिक्षा ही मेरा अस्त्र हैं ये बात अमरजीत तब कहते हैं जब वो बताते हैं कि पिछले सात सालों से उन्होंने अपनी कोचिंग संस्था के ज़रिए करीब 1400 झुग्गी झोपड़ी के बच्चों को कम दरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी हैं। कई बच्चे जो पढ़ाई छोड़ चुके थे उन्हें वापिस शिक्षा

से जोड़ा। सामाजिक समरसता, शिक्षा जैसे विषयों पर उनके निरंतर प्रयासों ने उन्हें एक जमीनी नेता बना दिया है।

हाल ही में राज्यसभा में इंटर्नशिप पूरी कर, उपराष्ट्रपित श्री जगदीप धनखड़ जी से जब अमरजीत ने प्रमाणपत्र लिया तो उनके शब्द थे। मैं यहाँ अकेले नहीं खड़ा, बल्कि मेरे जैसे लाखों गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों की आवाज बनकर खड़ा हूँ। यह सम्मान मेरा नहीं, उन लाखों बच्चों और परिवारों का है जो आज भी झुग्गयों में हैं लेकिन सपना बड़ा देख रहे हैं। मेरे जैसे लोग जो अंतिम पकतीं से आते हैं जब संसद जैसे लोकतांत्रिक मंदिर में पहुँचते हैं, तो यह इस बात का प्रमाण है की संविधान सबको अवसर देता हैं। डॉ. बाबासाहबे अंबेडकर जी ने जो संविधान हमें दिया वो सिर्फ. एक किताब नहीं, वो हमारे जैसे लाखों युवाओं के सपनों की चाबी हैं उन्होंने कहा था की शिक्षा शस्त्र है जिससे आप समाज को बदल सकते हैं। वहीं पं. दीनदयालउपाध्याय जी का अंत्योदय का विचार–यानी समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाना–वो आज साकार होता दिखता हैं। मेरा यह सफर उन्हीं सपनों को आगे बढ़ाने के लिये है जो डॉ. अंबेडकर और प. दीनदयालजी ने देखे थे। अमरजीत आगे चलकर अपने समुदाय, विशेकर वंचित और पिछड़े तबकों, के लिये काम करना चाहते हैं उनका लक्ष्य है कि राजनीति में उन युवाओं की भागीदारी बढ़े जिनका इससे पहले कोई जुड़ाव नहीं रहा। वे मानते हैं की लोकतत्रं की असली शिक्त तब प्रकट होगी जब अंतिम व्यिक्त निर्णायक भूमिका में आएगा।वो कहते है। हमारे पास विरासत नहीं हैं, पर मेहनत और शिक्षा की ताकत हैं राजनीति में अब पढ़े-लिखे जमीन से जुड़े युवाओं को आना चाहिये। अमरजीत जी ने बताया कि दिल्ली में राज्यसभा इंटनिर्शप पूरी करने के बाद अब वो फिर अपने लोगों के बीच लौटेंगे–वहीं जहाँ से उनका सफर शुरू हुआ था।वे अब पहले की तरह ही समाज के बीच रहकर सेवा कार्य करगें और जैसे-जैसे उन्हें जिमेदारिया मिलेगी वे उसे पूरे समपर्ण और निष्ठा से उनका निर्वहन करेंगे। इस ऐतिहासिक क्षण को उन्होंने केवल अपनी व्यिक्तगत उपलब्धि न मानते हुए,अपने माता-पिता अपने प्रेरणा स्त्रोत गुरु श्री नरेश पाटिल जी, और संघर्ष के हर मोड़ पर साथ देने वाले अनिगनत साथियों को समर्पित किया। उनका मानना है की यह सम्मान मेरा नहीं, उन सभी का है जिन्होंने मुझे विश्वास दिया, हौसला दिया और मेरी यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर चले और आगे भी चलते रहेंगे।

सुधीर अत्तावर की फिल्म कोरगज्जा पर संगीतकार गोपी सुंदर बोले–इसने मुझे एक नया संगीत जॉनर गढ़ने का अवसर दिया

साउथ के मशहूर संगीतकार गोपी सुंदर ने निर्देशक सुधीर अत्तावर की आगामी फिल्म कोरगज्जा को एक अनोखा संगीत अनुभव करार देते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें एक बिल्कुल नया संगीत जॉनर गढ़ने का अवसर दिया।

गोपी सुंदर ने कहा, कोरगज्जा की विषयवस्तु इतनी गहरी और आध्यात्मिक है कि इसे संगीत में ढालना मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक रहा। मुझे कर्नाटक के तुलु नाडु क्षेत्र की परंपराओं और सांस्कृतिक गहराई को समझना पड़ा, और उन्हीं से प्रेरणा लेकर धुनों की रचना की। निर्देशक को मेरा काम पसंद आया, यह मेरे लिए सम्मान की बात है। फिल्म में कुल 6 गीत हैं, जिन्हें विभिन्न शैलियों और भाषाओं में संगीतबद्ध किया गया है। गीतों के बोल खुद निर्देशक सुधीर अत्तावर ने लिखे हैं। संगीत की एक खास बात यह है कि इसमें शिव तांडव के श्लोकों को आधुनिक संगीत के साथ मिलाकर एक विशेष ट्रैक तैयार किया

गया है, जिसे शंकर महादेवन ने गाया है। फिल्म के साउंडट्रैक में श्रेया घोषाल, सुनिधि चौहान, शंकर महादेवन, जावेद अली, स्वरूप खान और अरमान मलिक जैसे नामी गायकों की आवाजें शामिल हैं। कई बड़े गायकों ने स्वयं गोपी सुंदर से संपर्क कर उनके संगीत की सराहना की और इस नई शैली में काम करने की इच्छा भी जताई। गोपी सुंदर ने निर्देशक सुधीर अत्तावर की शोध-कार्य की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इस कथा की आत्मा को जिस तरह उकेरा है, वह आज के सिनेमा के दायरे से कहीं आगे है। निर्देशक सुधीर अत्तावर ने स्पष्ट किया कि कोरगज्जा की कहानी फिल्म कांतारा से पूरी तरह अलग है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक और केरल क्षेत्र में लगभग 5000 देवों की पूजा होती है, जबकि कांतारा में केवल एक देवता को दर्शाया गया था। इस विषय पर शोध में उन्हें कार्यकारी निमार्ता विद्याधर शेट्टी का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। कोरगज्जा, त्रिविक्रम सिनेमा और सक्सेस फिल्म्स के बैनर तले बनी है। यह करावली क्षेत्र (तुलु नाडु) के पूज्य देवता कोरगज्जा पर आधारित है, जिसमें 800 साल पहले एक आदिवासी युवक के कोरगज्जा रूप में रूपांतरण की गूढ़ और आध्यात्मिक यात्रा को दिखाया गया है। फिल्म के कलाकारों में कबीर बेदी, कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर, गणेश आचार्य, और साउथ के कलाकार भाव्या, श्रुति आदि शामिल हैं। तकनीकी पक्ष में भी फिल्म मजबूत है-सिनेमैटोग्राफी मनोज पिल्लई, एडिटिंग जिथ जोशी और विद्याधर शेट्टी, साउंड डिजाइन बिबिन देव, रंग-संयोजन लिजू प्रभाकरण और श्त्रह्ग्राफिक्स लवन-कुशन की देखरेख में तैयार किया गया है। कुल मिलाकर, कोरगज्जा एक ऐसी फिल्म के रूप में उभर रही है, जो भारतीय सिनेमा को संस्कृति, संगीत और तकनीक के स्तर पर नई दिशा देने का सामर्थ्य रखती है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के भाईचारा समिति के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। १६ अप्रैल २०२५ को अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेडी के आशीर्वाद से जो उनके करीबी रहे है श्री धर्मेश जोशी जी को श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना मुंबई (भाईचारा कमिटी) के मुंबई अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। श्री धर्मेश जोशी जी कई सालों से करणी सेना में सक्रिय कार्यकर्ता रहें हैं, समाज सेवा के भी सक्रिय हे। राष्ट्रीय प्रवक्ता और शहरी क्षेत्र के उपाध्यक्ष श्री जीवन सिंह सोलंकी द्वारा इन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर धर्मेश जोशी ने अपने प्रेरणास्त्रोत और अध्यक्ष अमर श्री सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हुकुम सा के साथ बिताए गए क्षणों को याद किया। उन्होंने उनके एकजुट हिंदू, महिला सशक्तिकरण और भारत विरोधी ताकतों को चुनौती देने के दृष्टिकोण के अनुसार कार्य करने की शपथ ली। धर्मेश जोशी ने अधिवक्ता एडवोकेट श्रीमती शीला सुखदेव सिंह गोगामेड़ी भाभी सा, श्री योगेंद्र कटारा जी और आदरणीय श्री आनंद सिंह ठोके जी का आभार व्यक्त किया। आपकी नियुक्ति पर बधाई। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है।

मस्जिद बंदर में बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनाई गई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत रत्न डॉ बाबा साहेब आंबेडकर जी की जयंती उत्सव का आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस कल्याणकारी मंडल (ट्रस्ट) का आयोजन स्वातंत्र्य वीर सावरकर चौक पर आयोजित किया गया, जिसमें सुबह 11 बजे से मेगा मेडिकल कैंप में मुफ्त नेत्र परीक्षण, मोती बिंदु ऑपरेशन, चश्मा वितरण, जापानी कंप्यूटराइज्ड द्वारा बॉडी स्कैनिंग, पेन कार्ड, वोटर कार्ड, विश्वकर्मा कार्ड, आधार कार्ड बनाया गया तथा शाम को सत्कार का एवं अंध

व दिव्यांग कलाकारों द्वारा देश भक्ति संस्कृति कार्यक्रम पेश किया गया तथा आए हुए अतिथियों जिसमें क्षेत्रीय नगर सेविका श्रीमती आफरीन शेख एवं समाज सेवक उमर भाई लकड़ावाला तथा वरिष्ठ समाज सेवक ठाकुर नरेंद्र सिंह, संस्था के संस्थापक अध्यक्ष विष्णु प्रसाद चौरसिया, महासचिव विलास आंबरे, संस्था के मीडिया प्रभारी अशोक चौबे द्वारा सभी लोगों जिसमें पत्रकार अरविंद तिवारी, पत्रकार रवि यादव, पत्रकार अनिल वर्मा, पत्रकार बल्देव सिंह, भारतीय मीडिया फाउंडेशन के महाराष्ट्र प्रवक्ता बीपी शर्मा, स्पर्श देसाई व बहन नेहा सिंह, दैनिक अमरदीप के संपादक उपेन्द्र पंडित साथ ही साथ श्री सुरेश चंद्र चौरसिया व नत्थू लाल चौरसिया, समाज सेवक, वकील सैय्यद फहीम अहमद शेख, रामबाबू जायसवाल, जगदीश राजगोर, बहन तबस्सुम शेख के साथ ही साथ स्वर श्री प्रतिष्ठान के सभी कलाकारों को भी सम्मानित किया गया।

मधुबनी जिला अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ की विस्तारित बैठक आयोजित का राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारिणी जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार चौधरी ने दिया

मधुबनी। आगामी 3 मई 2025 को पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में आयोजित अतिपिछड़ा रैली की सफलता हेतू 20 अप्रैल 2025 को मिल्लत टीचर ट्रेनिंग कॉलेज स्टेडियम रोड मधुबनी जिला अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ की विस्तारित बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष माननीय

अरविंद कुमार सहनी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। साथ ही मधुबनी जिला से राज्यसभा सदस्य श्री डॉ फैयाज अहमद, वर्तमान विधायक आदरणीय समीर कुमार महासेठ (मधुबनी), लौकहा विधायक श्री भारत भूषण मंडल, राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता माननीय श्री मंगनीलाल मंडल एवं मधुबनी जिला के पूर्व सांसद, विधायक सहित राष्ट्रीय जनता दल अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के पंचायत तक उपस्थित रहेंगे। आरक्षण बचाओ, अतिपिछड़ा जगाओ-तेजस्वी सरकार बनाओ नारों के मधुबनी से हजारो की संख्या में पटना रैली में भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उक्त आशय की जानकारी अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार चौधरी ने दिया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई टू कोलकाता...

पुलिस के अनुसार, एक ठेकेदार ने मई 2024 में अपने दामाद और नाती के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में पता चला कि शिकायतकर्ता के दामाद ने बच्चे को आरोपी असमा शेख, शरीफ शेख और आशा पवार को 1.6 लाख रुपये में बेच दिया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बाद में बच्चे के पिता और तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिन्होंने पुलिस को बताया कि उन्होंने बच्चे को ओडिशा के भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर एक महिला को बेच दिया था। इस साल 5 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली कि महिला भुवनेश्वर में दांतों के एक अस्पताल में काम करती है और शहर पहुंचने पर उन्हें महिला के बारे में और कोलकाता में उसके ठिकाने के बारे में पता चला। पुलिस ने आरोपी महिला को पकड़ लिया और शिकायतकर्ता के नाती और एक अज्ञात तीन वर्षीय बच्ची को छुड़ा लिया। वडाला टीटी पुलिस थाने की अपराध शाखा ने मानव तस्करी के एक गंभीर मामले की जांच करते हुए महिला आरोपी रेशमा संतोष कुमार बनर्जी को हुबली, पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 5 अगस्त 2024 को शुरू हुए एक मामले की पृष्ठभूमि में हुई। मिली जानकारी के अनुसार अमर धीरेन सरदार ने वडाला टीटी थाने से शिकायत की थी कि उनके दामाद ने उनके दो साल के पोते को बेच दिया है। जांच में पता चला कि अनिल पुरवैया ने शेख नामी महिला व शरीफ शेख और आशा पवार की मदद से अपने बेटे को 1.60 लाख रुपए में बेच दिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को हैदराबाद और मुंबई से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर रश्मि नामक महिला को बच्चा बेचने की बात कबूल की। रश्मि बनर्जी हाई टेक डेंटल हॉस्पिटल, भुवनेश्वर में कार्यरत थीं। हालांकि, वह वहां से निकल चुकी थी। आगे जांच से पता चला कि वह हुबली, कोलकाता, पश्चिम बंगाल की रहने वाली है।

5 लाख पेड़ काटेगी महाराष्ट्र सरकार

महाराष्ट्र के पूर्व पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, सरकार जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं ले रही है। हम विकास के विरोधी नहीं हैं, बल्कि हम जलवायु की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम विकास के नहीं, बल्कि विनाश के खिलाफ हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए लिए गए निर्णयों की आलोचना की, जिसके परिणामस्वरूप हजारों पेड़ गिरेंगे। राज्य सरकार पर भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए ठाकरे ने कहा कि पालघर में गरगई बांध परियोजना को मंजूरी देने से करीब पांच लाख पेड़ कट जाएंगे। उन्होंने कहा, कल, राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कई चीजों पर फैसला किया, जिसके परिणामस्वरूप लाखों पेड़ कटेंगे। बांध बनाने के लिए करीब 5 लाख पेड़ काटे जाएंगे, जिससे मुंबई को 450 एमएलडी पानी मिलेगा। वे जंगल और पर्यावरण को नष्ट कर रहे हैं, जो बारिश के लिए जिम्मेदार हैं। यह पैसे का खेल है। वे हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। आदित्य ठाकरे ने आगे कहा, हम देख रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन का क्या मतलब है। हम इसे अपने सामने होते हुए देख सकते हैं। इसके अलावा, ठाकरे ने अप्रैल में बढ़ते तापमान के बारे में चिंता जताई, जो 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, उन्होंने कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया।

भाषा की आड़ में राजनीति कर रहे फडणवीस

संजय राउत ने कहा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भाषा की आड़ में अपनी राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए कि वे महाराष्ट्र के मुखिया हैं और मराठी राज्य की भाषा है। मराठी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। संजय राउत ने आगे कहा, मराठी नंबर वन भाषा है, राज्य की भाषा है, हमारी मातृभाषा है। जहां तक हिंदी का सवाल है, हमें हिंदी सिखाने की कोई जरूरत नहीं है, खासकर महाराष्ट्र में। मुंबई देश की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का घर है। यहां हिंदी गाने, फिल्में बनती हैं। हम सभी हिंदी गाने सुनते हैं, हिंदी फिल्में देखते हैं। आप हमें क्या हिंदी सिखाएंगे? हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए।

'कांग्रेस में शामिल हो जाओ वरना'

वही बात अब हो रही है। पुलिस का इस्तेमाल दलों को तोड़ने या पुराने मामलों को खोलने और प्रतिद्वंद्वी पार्टियों को नष्ट करने के लिए किया जा रहा है। इसकी परकाष्ठा क्या होगी? उन्होंने कहा कि यदि पुलिस राजनीतिक आकाओं के अनुचित आदेश मानेगी तो इससे अराजकता पैदा होगी। ठाकरे ने शहर में इस सप्ताह पानी की कमी को लेकर शिवसेना यूबीटी कार्यकताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पुलिस तैनात की गई थी, ताकि वे विरोध प्रदर्शन न कर सकें। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि यदि सत्तारूढ़ दल यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करते हैं कि शहर में पानी की कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन न हो तो नागरिकों को क्या करना चाहिए? उद्धव ठाकरे ने बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि इस कृत्य में शामिल पुलिसकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खबर संक्षेप

इटली में केबल कार दुर्घटना में 4 की मौत

रोम। इटली में नेपल्स के दक्षिण में एक केबल कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन पर्यटकों सहित चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक ब्रिटिश और एक इजराइली महिला भी शामिल है। विको इक्वेन्स के मेयर के प्रवक्ता मार्को डी रोजा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को हुई दुर्घटना में मारे गए तीन विदेशी पर्यटकों में से केवल दो की ही पहचान हो पाई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक 'ट्रैक्शन केबल' के टूटने की वजह से यह दुर्घटना हुई। इतालवी अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

रास ईसा बंदरगाह पर हमले में 38 की मौत

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को दावा किया कि तेल बंदरगाह को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 74 हो गई है जबकि 171 अन्य घायल हैं। यमन की राजधानी सना में विद्रोहियों के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी में रात भर किए गए हमलों से हुई तबाही का उल्लेख किया गया है, जिसमें ईंधन ट्रकों में आग लग गई और रात के समय आसमान में आग के गोले धधक उठे। यह हमला 15 मार्च से जारी हमलों में सबसे घातक था।

विमान के अपहरणकर्ता को यात्री ने गोली मारी

मेक्सिको सिटी। अमेरिका के एक पूर्व सैन्यकर्मी ने बेलीज में एक छोटे यात्री विमान का अपहरण कर लिया जिसके बाद वह एक यात्री द्वारा चलाई गई गोली लगने से मारा गया। बेलीज पुलिस ने अपहरणकर्ता की पहचान अकिनयेला टेलर के रूप में की है। उसने जिस 'ट्रिपोक एयर' विमान का अपहरण किया था उसमें 14 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। बेलीज के पुलिस आयुक्त चेस्टर विलियम्स ने बताया कि टेलर ने विमान में सवार दो यात्रियों और एक पायलट पर चाकू से वार किया। टेलर एक यात्री द्वारा चलाई गई गोली लगने से मारा गया।

शिकायत के साथ शुरू हुई बांग्लादेश और पाक के बीच 15 साल बाद विदेश सचिव स्तर की बैठक

1971 के अत्याचारों के लिए सरेआम माफी मांगे पाकिस्तान, दे 4.3 अरब डॉलर का मुआवजा

मुंबई हलचल / ढाका

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस बातचीत में दोनों देशों के बीच अब भी कई मुद्दे अनसुलझे हैं। वहीं इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी इन मुद्दों पर बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई है, हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 साल बाद विदेश सचिव स्तर की बैठक हुई, जिसमें बांग्लादेश ने कई पुराने और संवेदनशील मुद्दे उठाए। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान ऑपरेशन सर्चलाइट का भी जिक्र किया जिसमें पाकिस्तानी सेना द्वारा बंगालियों के खिलाफ किए गए अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी मांगने को कहा है। इतना ही नहीं उसने पाकिस्तान की परिसंपत्तियों में अपना हिस्सा मांगते हुए इस्लामाबाद से बांग्लादेश को बकाया 4.5 अरब डॉलर का मुआवजा अदा करने को भी कहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान ने गुरुवार को पद्मा स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) आयोजित किया। बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन और पाकिस्तान के समकक्ष आमना बलूच ने एफओसी में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस बातचीत में दोनों देशों के बीच अब भी कई मुद्दे अनसुलझे हैं। वहीं इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी इन मुद्दों पर बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई है, हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है। हालांकि दोनों देशों ने आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने की इच्छा भी जताई और व्यापार, कनेक्टिविटी व आपसी सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा की। बता दें, बलूच ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से भी अलग-अलग मुलाकात की और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की।

ऑपरेशन सर्चलाइट

बांग्लादेश कई संवेदनशील मुद्दों को भूल नहीं पाया है और समय-समय पर माफी की मांग करता रहा है। खासतौर पर 1971 में पाकिस्तान सेना द्वारा किए गए अत्याचारों का जिक्र करते हुए बांग्लादेश ने कहा कि इन घटनाओं के लिए पाकिस्तान को आधिकारिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। बता दें, ऑपरेशन सर्चलाइट के दौरान पाकिस्तानी सेना ने अनुमानित 30 लाख बंगालियों को मार डाला और 10 लाख से अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार किया था।

पुराने मामलों का हल जरूरी

मामले में बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने बताया कि पाकिस्तान के साथ अच्छे और स्थायी रिश्ते बनाने के लिए पुराने मामलों का हल जरूरी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने 4.32 अरब डॉलर के अपने वित्तीय दावे के साथ-साथ अन्य मुद्दों को भी सामने रखा। इसमें 1971 के युद्ध के दौरान बांग्लादेश छोड़ने में असमर्थ 'फंसे हुए पाकिस्तानियों' की वापसी और 1970 के चक्रवात में मिली विदेशी मदद के पैसे की बात भी शामिल थी।

भोला चक्रवात की सहायता राशि नहीं दी

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने 1970 के भोला चक्रवात के बाद बांग्लादेश को विदेशी सहायता में 200 मिलियन डॉलर का अपना हिस्सा आवंटित नहीं किया। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 1970 का चक्रवात भोला बूनिया का सबसे घातक उष्णकटिबंधीय चक्रवात था, जिसने वर्तमान बांग्लादेश में 5 लाख लोगों की जान ले ली थी।

27-28 अप्रैल को डार का दौरा

जशीम उद्दीन ने कहा कि पाकिस्तान के उप पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार 27-28 अप्रैल को बांग्लादेश की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। यह 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। बांग्लादेश का मानना है कि अगर पाकिस्तान इन मुद्दों पर गंभीरता से बात करे, तो दोनों देशों के रिश्ते एक नए और बेहतर रास्ते पर बढ़ सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधी उड़ानें जल्द ही शुरू की जाएंगी।

एफबीआई को मिली बड़ी कामयाबी

14 धमाकों का मास्टरमाइंड आतंकी हरप्रीत गिरफ्तार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका में रहने वाले आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया है। एफबीआई और अमेरिकी इमिग्रेशन विभाग ने उसे अपने शिकंजे में ले लिया है। वह पिछले छह महीनों में पंजाब में 14 आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार है। आतंकी भारत के सबसे वांछित आतंकियों में से एक है। उस पर 5 लाख रुपये का इनाम था। वह अभी आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट) की हिरासत में है। सूत्रों के मुताबिक, हैप्पी पासिया ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ मिलकर आतंकी हमलों को अंजाम दिया। हैप्पी पासिया ने पंजाब के पुलिस प्रतिष्ठानों पर कई आतंकी हमले किए और सोशल मीडिया पर उनकी जिम्मेदारी ली।

एनआईए की चार्जशीट में था हैप्पी का नाम

इससे पहले 23 मार्च को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2024 चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकवादी संगठन के चार आतंकवादी गुर्गों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। आरोप पत्र दायर करने वाले आरोपियों में पाकिस्तान स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया शामिल हैं। दोनों आतंकवादी हमले के पीछे मुख्य संचालक और साजिशकर्ता थे। उन्होंने ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए चंडीगढ़ में भारत स्थित जमीनी गुर्गों को रसद सहायता, आतंकी फंड, हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराया था। सितंबर 2024 के हमले का मकसद पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाना था।

हरप्रीत के प्रत्यर्पण की मांग: डीजीपी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस प्रमुख गौरव यादव ने शुक्रवार को गैंगस्टर से आतंकवादी बने हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया की अमेरिका में गिरफ्तारी को 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध की सफलता में एक बड़ी उपलब्धि' बताया और कहा कि पंजाब पुलिस ने इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है और प्रत्यर्पण के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। यादव ने कहा कि आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के अमेरिका स्थित प्रमुख गुर्गों और पाकिस्तानी आतंकवादी रिंदा के करीबी सहयोगी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी आतंकी नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई में एक बड़ी उपलब्धि है।

मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर राज्यपाल बोस ने सख्त रुख अपनाया

महिलाएं शिविरों में रहने को मजबूर, हम इस हिंसा को किसी तरह बर्दाश्त नहीं करेंगे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मालदा में हिंसा पीड़ित लोगों से की मुलाकात और बोल मालदा मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा से अब भी पूरे प्रदेश में जमकर सियासत गरम है। प्रदेश के राज्यपाल सीवी आनंद बोस हिंसा पीड़ितों से मिलने मालदा पहुंचे। वे ट्रेन से गए। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात से पहले यह बयान दिया। मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर बोस ने सख्त रुख अपनाया है। हिंसा प्रभावित लोग शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल में जगह-जगह हिंसा अपना भयानक रूप दिखा रही है।

बोस ने कहा कि हमें हिंसा के रास्ते को खत्म करना होगा और उसके ताबूत में आखिरी कील ठोंकनी होगी। यह शांति और सौहार्द के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा है कि मुर्शिदाबाद या मालदा में हुई हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात से पहले यह बयान दिया। राज्यपाल मालदा पहुंच चुके हैं और वे स्थिति का आकलन करने के बाद केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजेंगे।दोनों जगहों पर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा भी लिया। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों से स्थिति सामान्य करने को लेकर चर्चा भी की।

लोगों को सुरक्षा देना राज्य सरकार की पहली जिम्मेदारी, भेजेंगे रिपोर्ट

हिंसा के रास्ते को खत्म करेंगे, ताबूत में आखिरी कील ठोंकेंगे

केंद्र को भेजूंगा सिफारिशें

मालदा से निकले बोस ने कहा कि वे पीड़ितों से मिले और इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेंगे। मैं पीड़ितों से मिलने और प्रभावित क्षेत्र से प्राप्त सूचनाओं की पुष्टि करने गया था। मैं अस्पतालों, पीड़ितों के आवासों और राहत शिविरों में गया। अपनी सिफारिशें भेजूंगा।

हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे

राज्यपाल बोस ने कहा कि मुर्शिदाबाद और मालदा जैसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए। बंगाल की सड़कों पर कई जगहों पर मौत का तांडव चल रहा है। इस तरह की हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने और लोगों की भावनाओं को जानने के बाद उनके पास एक कार्ययोजना होगी, जिस पर मिशन मोड में काम किया जाएगा। किसी भी कीमत पर हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

राज्य की राजनीति में फैल रहे 2 कैंसर

राज्य बंगाल की स्थिति पर बात करते हुए राज्यपाल ने कहा है कि बंगाल में हिंसा का मामला नया नहीं है और यह एक सतत मुद्दा है। बोस ने कहा कि बंगाल की राजनीति में दो चीजें कैंसर की तरह बढ़ रही है, हिंसा और भ्रष्टाचार। हमें इसकी जड़ों को खत्म करना होगा।

घटनाओं को 'मौत का नाच' बताया

मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में हिंसा से बड़ी संख्या में महिलाएं प्रभावित हुई हैं। पीड़ितों से मुलाकात करने के बाद हबोस ने घटनाओं को 'मौत का नाच' बताया। उन्होंने कहा कि हिंसा का रास्ता अपनाने वाली मानसिकता को जड़ से खत्म किए जाने की जरूरत है।

राज्य सरकार ने लापरवाही की

राज्यपाल ने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। अगर राज्य को मदद की जरूरत है, तो हम केंद्रीय बल भेजने के लिए तैयार हैं। बंगाल में हिंसा की घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं। राज्य सरकार हिंसा को रोके।

मालदा में एनएचआर ने प्रभावित लोगों से की बात 3 सप्ताह में विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश की जाए

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के एक दल ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मालदा पहुंचकर उन लोगों से मुलाकात की जिन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से भागकर एक अस्थायी शरणार्थी शिविर में शरण ली है। एनएचआरसी ने हाल में मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में भड़की हिंसा का स्वतः संज्ञान लिया। एनएचआरसी सदस्यों ने लालपुर हाई स्कूल में शिविर में रह रहे प्रभावित परिवारों के सदस्यों से बात की।

मुर्शिदाबाद में पीड़ितों से मिली एनसीडब्ल्यू महिलाएं बहुत डरी हैं, उन पर अत्याचार हुए

एनसीडब्ल्यू प्रमुख विजया रहाटकर मुर्शिदाबाद में हुई हालिया हिंसा की जांच का नेतृत्व करने के लिए गुरुवार शाम कोलकाता पहुंचीं। इस बीच राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने वहां के हालातों पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार किए गए हैं। महिलाओं के खिलाफ बहुत अत्याचार हुए हैं। यहां महिलाएं भी डरी हुई हैं।

भारत की तरफ से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह हुए शामिल

भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह की 24वीं बैठक संपन्न हुई

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच लंदन में हुई वार्षिक रक्षा परामर्श समूह की 24 वीं बैठक संपन्न हो गई है। जिसमें रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने वार्ता की सह-अध्यक्षता की और उनके साथ लंदन के रक्षा मामलों के स्थायी उप सचिव डेविड विलियम्स शामिल हुए। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि बीते 16 से 17 अप्रैल के बीच हुई इस वार्ता में दोनों पक्षों के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते हुए भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की गई। साथ ही रक्षा संबंधों को सशक्त बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई गई। दोनों देशों के बीच हुई इस बैठक का संबंध दरअसल 2021 में भारत-ब्रिटेन के बीच हुई रणनीतिक साझेदारी और 2030 के रोडमैप से जुड़ा हुआ है।

ब्रिटेन के एनएसए से मिले सिंह

मंत्रालय ने बताया कि बैठक के साथ ही रक्षा सचिव ने ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जोनाथन पावेल से मुलाकात की। जिसमें दोनों देशों की सशस्त्र सेनाओं के बीच सैन्य संबंधों को आगे बढ़ाने और रक्षा उद्योगों के बीच सहभागिता मजबूत बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। राजेश कुमार सिंह ने भारत-ब्रिटेन रक्षा उद्योग गोलमेज सम्मेलन को भी संबोधित किया। उन्होंने मौजूदा प्रणालियों, ड्रोन, निगरानी, रक्षा अंतरिक्ष और विमानन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअप की बढ़ती क्षमताओं का जिक्र किया। साथ ही ब्रिटिश कंपनियों से इनमें साझेदारी की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, भारत भविष्य में रक्षा उद्योग जगत की भागीदारी को दिशा देने के लिए औद्योगिक सहयोग रोडमैप विकसित करने के उद्देश्य से ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। रक्षा सचिव ने ब्रिटेन की कंपनियों को भारत के तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश के विशेष रक्षा गलियारों में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया।

छत्तीसगढ़ में लाल आंतक को झटका, सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

33 नक्सलियों ने किया सरेंडर, आधों पर था कुल 49 लाख रुपए का इनाम

मुंबई हलचल / सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में लाल आतंक को करारा झटका लगा है। शुक्रवार को सुरक्षाबलों को उस वक्त बड़ी सफलता मिली जब 11 महिलाओं समेत कम से कम 33 नक्सलियों ने उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया, इनमें से लगभग आधे यानी 17 पर 49 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इस बारे में जानकारी देते हुए सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि 9 महिलाओं समेत 22 नक्सलियों ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

(सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष हथियार डाले, जबकि बाद में 2 महिलाओं समेत 11 अन्य नक्सलियों ने भी पुलिस अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली सुरक्षा बलों पर कई हमलों में भी शामिल रह चुके हैं। चव्हाण ने बताया कि हथियार डालने वाले माओवादियों में माड़ डिवीजन के तहत पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) कंपनी नंबर 1 में डिप्टी कमांडर मुचाकी जोगा (33) और उसी दस्ते की सदस्य व उसकी पत्नी मुचाकी जोगी (28) शामिल हैं, जिन पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। अन्य नक्सलियों में किकिद देवे (30) और मनोज उर्फ दुधी बुधरा (28) शामिल हैं, जो कि माओवादियों के एरिया कमेटी के सदस्य हैं और जिन पर 5-5 लाख का इनाम था। 7 अन्य नक्सलियों पर 2-2 लाख का इनाम था, जबकि एक अन्य नक्सली पर 50,000 रुपए का इनाम था।

वीर विनय चौराहा पर लगाए बड़े आरोप

बलरामपुर में भाजयुमो ने राहुल-सोनिया का जलाया पुतला, जमकर की नारेबाजी

मुंबई हलचल / बलरामपुर

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम आने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वीर विनय चौराहा पर दोनों नेताओं का पुतला जलाया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अटल भवन कार्यालय तुलसीपार्क से नारेबाजी करते हुए वीर विनय चौराहा पहुंचे। रवि ने कहा कि कांग्रेस घोटाले पर घोटाला करती आ रही है। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी,सैम पित्रोदा व सुमन दुबे का नाम अपनी चार्ज शीट में शामिल किया है।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के बड़े नेताओं पर चार्जशीट

कांग्रेस सरकार ने देश को लूटा

नेशनल हेराल्ड के मामले में कांग्रेस ने सिर्फ घोटाला किया है। मोदी सरकार में जांच एजेंसियां सही ढंग से कार्य कर रही हैं। अब कांग्रेस कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो रहा है। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया एवं राहुल अंतरिम जमानत पर हैं। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य एकता जायसवाल ने कहा कि युवा मोर्चा की ओर से पूरे देश में नेशनल हेराल्ड मामले में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार ने देश को लूटने का कार्य किया है।

भ्रष्टाचार को छुपाने देश को गुमराह कर रही कांग्रेस

कांग्रेस नेता राहुल व सोनिया के नाम से 661 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग घोटाला किया गया है। जांच करवाई प्रभावित करने के लिए कांग्रेस झूठ का प्रपंच रच रही है। जिलाध्यक्ष संदीप वर्मा ने कहा कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस में यंग इंडिया की 751.9 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी। इस कंपनी में सोनिया व राहुल की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कांग्रेसी भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए देश को गुमराह कर रहे हैं।

कॉलेज बिल्डिंग के छठे फ्लोर से गिरा एमबीए का छात्र

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी से एक छात्र की संदिग्ध मौत का मामला सामने आने से सनसनी फैल गई है। यहां के जायस इलाके में राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के एक 22 साल के एमबीए के छात्र की शुक्रवार सुबह कॉलेज की इमारत की छठी मंजिल से गिरने से मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, मृतक, बिहार के पटना का रहने वाला एमबीए अंतिम वर्ष का छात्र अभिनव आनंद संस्थान के छात्रावास में रह रहा था।

विश्व व्यापार संगठन के समक्ष अपना रुख स्पष्ट किया

इस्पात, एल्यूमिनियम पर शुल्क सुरक्षा कारणों से, बचाव उपायों के आधार पर नहीं : अमेरिका

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका ने वैश्विक व्यापार निकाय विश्व व्यापार संगठन से कहा है कि इस्पात तथा एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाने का निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लिया गया और इसे बचाव के लिए उठाया गया कदम नहीं माना जाना चाहिए।

भारत के 11 अप्रैल को अमेरिका के साथ डब्ल्यूटीओ के बचाव समझौते के तहत परामर्श का अनुरोध करने के बाद अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समक्ष अपना रुख स्पष्ट किया है। भारत ने कहा था कि अमेरिका द्वारा इन उपायों को सुरक्षा उपाय बताए जाने के बावजूद ये मूलतः बचाव के लिए उठाए गए कदम हैं। इससे अमेरिका बचाव उपायों को लागू करने के निर्णय के बारे में बचाव समझौते (एओएस) के एक प्रावधान के तहत डब्ल्यूटीओ सुरक्षा समिति को सूचित करने में विफल रहा है।

- भारत ने कहा, अमेरिका इसे सुरक्षा उपाय बता रहा
- बावजूद ये मूलत: बचाव के लिए उठाए गए कदम हैं
- अमेरिका डब्ल्यूटीओ सुरक्षा समिति को सूचित करने में विफल रहा

धारा 232 राष्ट्रीय सुरक्षा कानून है

अमेरिका ने कहा कि धारा 232 एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून है तथा शुल्क को शुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौते (जीएटीटी) 1994 के एक प्रावधान के तहत सुरक्षा अपवाद के तहत रखा जा रहा है। इसमें कहा गया है कि ये शुल्क 1974 के व्यापार अधिनियम के प्रावधान के तहत नहीं लगाए गए हैं, जिसके तहत अमेरिका बचाव उपाय लागू करता है।

12 मार्च 2025 से हुआ प्रभावी

इस वर्ष 10 फरवरी को अमेरिका ने इस्पात और एल्यूमिनियम वस्तुओं के आयात पर बचाव उपायों को संशोधित किया, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी हुए और इनकी अवधि असीमित है।

अमेरिका ने व्यापार निकाय को भेजा था पत्र

अमेरिका ने 17 अप्रैल को व्यापार निकाय को भेजे एक पत्र में कहा, " अमेरिका ने पाया कि बचाव उपायों पर समझौते के अनुच्छेद 12.3 के तहत परामर्श के लिए भारत के अनुरोध का आधार यह है कि शुल्क बचाव के लिए उठाया गया कदम है... (अमेरिका के) राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने धारा 232 के तहत इस्पात तथा एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाया, जिसके तहत राष्ट्रपति ने निर्धारित किया कि शुल्क इस्पात और एल्यूमिनियम वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए आवश्यक हैं जिससे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने की आशंका है।"

प्रावधान के अनुरूप कार्रवाई नहीं

अमेरिका ने कहा, " अमेरिका बचाव उपायों/आपात कार्रवाई प्रावधान के अनुरूप इन कार्रवाइयों को जारी नहीं रख रहा है... ये कार्रवाइयां बचाव में उठाया गया कदम नहीं हैं और इसलिए इन उपायों के संबंध में बचाव समझौते के तहत परामर्श करने का कोई आधार नहीं है।"

भारत के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार

इसमें कहा गया, तदनुसार, परामर्श के लिए भारत का अनुरोध...बचाव उपायों पर समझौते के तहत कोई आधार नहीं रखता है...फिर भी, हम भारत के साथ इस या किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका ने आठ मार्च 2018 को इस्पात तथा एल्यूमिनियम के कुछ उत्पादों पर क्रमशः 25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मूल्यानुसार शुल्क की घोषणा की थी जो 23 मार्च 2018 से लागू हुए।

गोरखपुर में महिला के साथ लिव इन में रह रहे युवक की पीट-पीट कर हत्या, गांव में सनसनी

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के सहजनवां थानाक्षेत्र में गुरुवार की देर रात एक युवक की पीट पीट कर हत्या कर दी गई। घटना भेलउर उर्फ डडौली गांव की है। मृतक की पहचान प्रदीप कुमार निषाद के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मृतक अपने प्रेमिका के साथ कई वर्षों से लिव इन में रह रहा था। पुलिस संदेह के आधार पर प्रेमिका से भी पूछताछ कर रही है। गांव में यह भी चर्चा है कि मृतक की प्रेमिका का पहले हत्यारोपित से अफेयर था बाद में किसी कारण से दोनों के बीच संबंध खराब हो गए। सूत्रों के मुताबिक सेमरडांडी निवासी प्रदीप का भेलउर उर्फ डडौली में रहने महिला से प्रेम संबंध था। आठ वर्षों से दोनों लिव इन में थे। गुरुवार की रात में करीब साढ़े नौ बजे प्रदीप प्रेमिका के घर से बाइक लेकर मुस्तफाबाद चौराहे पर गया था। वापस आते समय घर के पास ही पहले से तैयार बैठे

हमलावरों ने प्रदीप को घेर लिया और लाठी, डंडा व राड़ से हमला बोल दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। हत्या की सूचना मिलते ही एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव, सहजनवां एसओ महेश चौबे के साथ भारी फोर्स लेकर पहुंचे और जांच पड़ताल किए। फिलहाल गांव में, फोर्स तैनात है, आरोपियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। मृतक की प्रेमिका दो बच्चों की मां है, पति से भी संबंध खराब होने के कारण वह मायके भेलउर में ही रहती है, चर्चा तो यहां तक है कि महिला का हत्यारोपी से पहले संबंध रहा है बाद में किसी कारण से दूरियां बढ़ गई। इस के बाद मृतक से संबंध गहरे हो गए जिसको लेकर पूर्व प्रेमी भी प्रदीप से नाराज चल रहा था। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सहजनवा थाना क्षेत्र में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम संबंध का लगता है। मृतक की प्रेमिका ने कुछ लोगों पर आरोप लगाया है। उन्हें पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

30 मिनट की सैर करेंगे तो नहीं आएगी घुटने बदलने की नौबत

साल 2014 में देश में लगभग 70 हजार लोगों ने घुटने और 6 हजार लोगों ने हिप की रिप्लेसमैंट करवाई। इन अंगों की रिप्लेसमैंट उन लोगों के लिए फैशन बनने लगी है जिन्हें दर्द बिल्कुल सहन नहीं होता और वे दर्द का फौरन इलाज चाहते हैं। ऐसे लोगों को सर्जन रिप्लेसमैंट सर्जरी की सलाह देते हैं जिन्हें वे मान भी लेते हैं। चिंता की बात यह है कि 30-40 वर्ष के युवा घुटने और हिप की रिप्लेसमैंट करवा रहे हैं जबकि वे इस समस्या से जीवनशैली और खानपान में बदलाव कर निजात पा सकते हैं।

जितना हो सर्जरी टालें : ऑर्थोपैडिक विशेषज्ञ कहते हैं कि यदि किसी को आर्थराइटिस की गंभीर समस्या है तो घुटने की रिप्लेसमैंट करवाना सही विकल्प है, लेकिन प्रारंभिक अवस्था में इससे कसरत और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं से आराम पाया जा सकता है।

पेन किलर किडनी को पहुंचती है नुकसान : घुटनों व कूल्हों के दर्द का सबसे पहला उपचार है पेन किलर जो पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि ये घुटने का दर्द कम तो करते हैं लेकिन लिवर व किडनी को भी नुक्सान पहुंचाते हैं। यदि दवाएं लेने व कसरत के दौरान, चलते समय दर्द या पैरों में टेढ़ापन महसूस हो तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। लाइफ स्टाइल बदलें आमतौर पर 20 वर्ष की आयु के बाद से घुटनों के घिसने व दोबारा बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है लेकिन 40 साल के बाद हड्डी बनने की तुलना में घिसती ज्यादा है। खानपान और जीवनशैली में बदलाव कर हड्डियों को मजबूत रखा जा सकता है। विटामिन डी कैल्शियम और प्रोटीन युक्त चीजों को भोजन में शामिल करें। 30-40 साल की उम्र के बाद आलती-पालती मारकर बैठना व सीढ़ियों पर उतरने-चढ़ने की बजाय पैदल चलना ज्यादा उचित होता है।

- चलते समय हमारी आंख, दिमाग और पैरों का संतुलन नहीं गड़बड़ाना चाहिए।
- स्थिर कदमों से चलें। अपना सिर ऊंचा रखें। रीढ़ की हड्डी सीधी रखें।
- हाथों को 90 डिग्री पर झुकाकर आगे-पीछे हिलाएं।
- सीढ़ियों पर चढ़ते समय किसी से आगे निकलना हो या क्रॉस करना हो तो दिशा बदल लें।
- स्मूथ व साफ जगह पर भी दौड़ना हो तो पहले बॉडी वॉर्मअप जरूर करें।
- फिसलन व ऊबड़-खाबड़ सड़क पर न दौड़ें।

सावधानी से चलें

चलने-फिरने में सावधानी बरतने से पैरों और घुटनों को भी फिट रखा जा सकता है। 30 मिनट रैगुलर वॉक से मोटापे और डायबिटीज का खतरा घटता है। 65 किलो वजन का व्यक्ति 6.5 कि.मी. प्रति घंटे की गति से चले या दौड़े तो एक घंटे में 362 कैलोरी बर्न कर सकता है। वॉक करने से डायबिटीज, ऑस्टियोपोरोसिस, तनाव में भी लाभ होता है। वॉकिंग नैचुरल कसरत है जो हृदय रोगों से बचाती है और हड्डियों को मजबूत कर मोटापे को घटाती है। इनके लिए जरूरी है कि आराम से व सही पोश्चर में चले

एक कटोरी दलिया खाकर दूर रखें बड़ी बीमारियां

दलिया साबुत अनाज है, इसमें प्रोटीन,विटामिन बी1, बी2,फाइबर के अलावा और भी बहुत सारे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में शामिल हैं। लो कैलोरी दलिए का सेवन ज्यादातर लोग नाश्ते में करते हैं। सुबह के समय दलिए का सेवन करने से सारा दिन शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, इसे अलावा शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए नाश्ते में खाया गया दलिया बहुत फायदेमंद साबित होता है। आइए जानें इसके फायदे।

1. कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल

शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से आजकल हर 5 मे से 2 लोग परेशान हैं। इसे नियंत्रित करना बहुत जरूरी है क्योंकि कोलेस्ट्रॉल की गड़बड़ी दिल के रोग पैदा करने का काम करती है। दलिया में पाए जाने वाले घुलनशील और अघुलनशील फाइबर हाई कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इससे दिल के रोग होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

2. हड्डियां मजबूत

संतुलित आहार की अनदेखी से आजकल बहुत लोग हड्डियों की कमजोरी से जूझ रहे हैं। दलिया मैग्नीशियम और कैल्शियम का बहुत अच्छा स्त्रोत है। रोजाना इसका सेवन करने से बढ़ती उम्र में जोड़ों के दर्द की शिकायत नहीं होती। यह पित्ते की थैली को भी साफ करने का काम करता है। जिससे पित्ते की पथरी से बचाव रहता है।

3. वजन करे कम

कुछ लोगों का वजन एक्सरसाइज करने के बावजूद भी कम होने का नाम नहीं लेता। कार्बोहाइड्रेट से भरपूर दलिया नाश्ते में खाने से वजन जल्दी ही नियंत्रण में आना शुरू हो जाता है। दलिया खाने से पोषक तत्वों की पूर्ति भी हो जाती है और लंबे समय तक भूख भी महसूस नहीं होती।

4. खून की कमी दूर

शरीर में आयरन की कमी होने से खून का स्तर भी कम हो जाता है। जिससे कमजोरी और थकावट महसूस होने लगती है। दलिया आयरन का बहुत अच्छा स्त्रोत है। यह खून की मात्रा को बैलेंस करके रखता है। इससे अलावा इससे मेटाबॉलिज्म की बढ़ने लगता है।

5. ब्रेस्ट कैंसर से बचाव

ब्रेस्ट कैंसर की बीमारी के मामले भी आजकल आम सुनने को मिल रहे हैं। यह महिलाएं में होने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। इससे बचने के लिए साबुत अनाज का सेवन फायदेमंद है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि फाइबर से भरपूर दलिया ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम कर देता है।

6. डायबिटीज में लाभकारी

मैग्नीशियम से भरपूर दलिया शरीर में लगभग 300 प्रकार के एंजाइम बनाता है। ये एंजाइम इंसुलिन बनाने में बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा ये ब्लड तक ग्लूकोज की जरूरी मात्रा पहुंचाने का भी काम करते हैं। रोजना दलिया खाने से टाइप-2 की बीमारी कंट्रोल हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शबाना आजमी का सौतन बनने पर छलका दर्द

बॉलीवुड की सशक्त महिला कलाकारों में शुमार शबाना आजमी ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बेहद भावुक और आत्मविश्लेषण से भरा बयान दिया है। उन्होंने फिल्मफेयर को दिए गए एक इंटरव्यू में बताया कि जब उन्होंने साल 1984 में मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर से शादी की, तो उन्हें नारीवादी विचारों से जुड़ा मानने वाले कई लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। शबाना आजमी ने स्वीकार किया कि उस वक्त उनकी छवि एक फेमिनिस्ट मॉडल के रूप में बनी हुई थी, और ऐसे में उनका जावेद अख्तर से विवाह करना, जो पहले से शादीशुदा थे और जिनके दो बच्चे थे, समाज की नजरों में विरोधाभासी लग सकता था। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा जैसे मैंने अपनी खुशी के लिए दूसरी औरत के अधिकारों पर डाका डाला। लेकिन शबाना ने साथ ही यह भी बताया कि उस समय उन्होंने चुप रहना ही बेहतर समझा। उनका मानना था कि अगर वह सफाई देतीं, तो इससे न केवल उन्हें बल्कि हनी ईरानी, जावेद अख्तर और उनके बच्चों को और अधिक मानसिक कष्ट होता। उन्होंने कहा कि चुप रहना एक समझदारी भरा निर्णय था, जिससे बाद में हालात भी शांत हुए। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि शबाना आजमी ने हनी ईरानी के साथ अपने रिश्ते पर भी खुलकर बात की। शबाना आजमी ने कहा कि उनके और हनी के बीच एक हेल्दी रिलेशनशिप है, जिसका श्रेय न केवल उन्हें बल्कि हनी और जावेद अख्तर को भी जाता है। उन्होंने कहा कि हम तीनों ने एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने से परहेज किया, और यही हमारे रिश्ते की नींव बनी।

'किंग' में अरशद वारसी की एंट्री !

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग इन दिनों कास्टिंग को लेकर चर्चा में है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन इसके संभावित कलाकारों की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। अब खबर है कि इस चर्चित प्रोजेक्ट में बहुमुखी अभिनेता अरशद वारसी की भी एंट्री हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अरशद वारसी इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाने वाले हैं। हालांकि उनके रोल की डिटेल्स को फिलहाल गोपनीय रखा गया है, लेकिन यह तय माना जा रहा है कि वह फिल्म में बड़ी भूमिका निभाएंगे। अगर यह खबर सच होती है, तो यह पहली बार होगा जब शाहरुख और अरशद किसी फिल्म में साथ पूरी तरह से अभिनय करते नजर आएंगे। गौरतलब है कि 2005 में शाहरुख खान ने अरशद की फिल्म कुछ मीठा हो जाए में एक कैमियो किया था। इसके अलावा दोनों कभी एक ही फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में नजर नहीं आए। दिलचस्प बात ये है कि मुन्ना भाई एमबीबीएस में शुरूआत में शाहरुख को लीड रोल के लिए चुना गया था, लेकिन बात नहीं बनी और यह फिल्म संजय दत्त और अरशद वारसी की जोड़ी से इतिहास बन गई। फिल्म किंग को लेकर पहले से ही कई चर्चाएं चल रही हैं। खबर है कि शाहरुख की बेटी सुहाना खान इस फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में दीपिका पादुकोण को भी फिल्म का हिस्सा बताया गया, जिसमें वह सुहाना की मां और शाहरुख की पूर्व प्रेमिका का किरदार निभा सकती हैं।

काजोल को जूनियर जया बच्चन बता रहे यूजर्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो अक्षय कुमार की फिल्म केसरी 2 के स्क्रीनिंग का है। जहां काजोल अन्य कलाकारों के साथ फिल्म देखने पहुंची थी। वीडियो में काजोल पैप्स पर चिढ़ते हुए नजर आ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया पर यूजर्स उनकी तुलना जया बच्चन के साथ करते हुए नजर आए रहे हैं। किसी ने उन्हें जूनियर जया बच्चन बताया है, तो कुछ उनसे सवाल पूछ रहे हैं कि आप इतनी अच्छी हैं, तो अपने आप को जया बच्चन में क्यों बदल रही हैं, वहीं कुछ यूजर्स ने काजल की तारीफ भी की है। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर फिल्मीज्ञान नाम के इंस्टा हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया गया है। वीडियो में काजोल केसरी चैप्टर 2 की स्क्रीनिंग में पहुंची हुई नजर आ रही है। लेकिन इस दरमियान वह पैप्स पर चिढ़ते हुए दिखाई दी हैं। वीडियो मैं आप देख सकते हैं कि वह पैपराजी को शांत रहने की नसीहत दे रही हैं। वीडियो में उनका गुस्सा भी नजर आ रहा है। जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर अब यूजर्स में तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि वह अपने आप को जया बच्चन में क्यों बदल रही हैं। दूसरे यूजर ने लिखा है जूनियर जया बच्चन। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि वह जया बच्चन की तरह बिल्कुल नहीं है बल्कि वह खुशमिजाज इंसान हैं।